

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

छत पर पिस्तौल लेकर चढ़ा, कहा— “मैं मुख्यमंत्री योगी को मार डालूँगा”: पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

Sanket Morankar

Published on 20 Sep 2025



उत्तर प्रदेश में एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब एक व्यक्ति छत पर चढ़कर पिस्तौल लहराते हुए मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** को जान से मारने की धमकी देने लगा। स्थानीय पुलिस की त्वरित कार्रवाई के बाद संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया और घटना स्थल से हथियार बरामद किया गया। पुलिस ने कहा है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी के मनोवैज्ञानिक व पृष्ठभूमि संबंधी तथ्य जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह घटना रविवार सुबह (या हाल ही में) नगर के एक आवासीय क्षेत्र में हुई। परिजन और पड़ोसियों ने तब अचानक हंगामा देखा जब आरोपी छत पर चढ़कर जोर-जोर से नारे लगाने लगा और मोबाइल पर बिना किसी रोकटोक के मुख्यमंत्री के खिलाफ गुस्से में बोलने लगा। कुछ ही देर में पास के लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय थाने को दी।

पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी जनता के बीच हड़कंप मचाने वाला व्यवहार कर रहा था। उसके हाथ में एक पिस्तौल भी थी। पुलिस उपायुक्त (स्थानीय अधिकारी) ने बताया कि मौके पर पहुंचते ही इलाके को घेर लिया गया और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। बाद में वार्ताकारों की मदद से आरोपी को समझाने की कई कोशिशें की गईं, लेकिन जब वह शांत नहीं हुआ तो पुलिस ने तेज़ कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के पास से पुलिस ने एक पिस्तौल तथा कुछ कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि बरामद पिस्तौल की फ़ॉरेंसिक जाँच और लाइसेंस सम्बन्धी जांच की जा रही है कि क्या यह हथियार वैध है या चोरी का। स्थानीय थाने में आरोपी के खिलाफ **धमकी देने, सार्वजनिक शांति भंग करने और आग्नेयास्त्र रखने** जैसी धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। गंभीरता के आधार पर आगे के अभियोग (जैसे हत्या की धमकी/आतंकवादी गतिविधि से संबंधित धाराएँ) जोड़ने पर भी विचार किया जा रहा है।

पुलिस ने प्रारम्भिक रूप से आरोपी की पहचान 35-40 वर्ष के बीच के स्थानीय निवासी के रूप में बताई है। पुलिस ने कहा कि आरोपी की पृष्ठभूमि, मानसिक स्थिति और किसी राजनीतिक या सामाजिक कारण से प्रेरित होने की संभावनाओं की भी जांच की

जा रही है। परिवार वालों और पड़ोसियों से बातचीत कर आरोपी के हालिया व्यवहार और किसी प्रकार के मानसिक दबाव या आर्थिक-सामाजिक परेशानियों के संकेत जुटाए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री कार्यालय (या सुरक्षा इकाई) को जानकारी दी गई और राज्य सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ा दी। हालांकि अब तक मुख्यमंत्री के निकटस्थ स्रोतों ने कहा है कि मुख्यमंत्री सुरक्षित हैं और किसी प्रकार का सीधा खतरा नहीं था। राज्य पुलिस महानिदेशालय ने सभी सरकारी प्रतिष्ठानों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों के आसपास अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पत्रकारों को बताया कि ऐसी घटनाओं में त्वरित और संगठित कार्रवाई से सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता होती है। उन्होंने कहा—

“हम किसी भी सार्वजनिक हस्ती के प्रति की जा रही धमकियों को गंभीरता से लेते हैं। घटना की गहन जांच कर संबंधित सभी कारणों का पता लगाया जाएगा।”

घटनास्थल के आसपास के लोगों ने बताया कि अचानक हुई घटना से सब डर गए थे और बच्चों व बुजुर्गों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। कुछ स्थानीय व्यापारियों ने कहा कि वे शुरुआत में समझ नहीं पाए कि किस तरह की घटना हो रही है, पर पुलिस के तुरंत आने से स्थिति नियंत्रित हो गई।

राजनीतिक दलों ने भी घटना पर चिंता व्यक्त की और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने की माँग उठाई। विपक्षी नेताओं ने कहा कि ऐसी घटनाएँ दिखाती हैं कि **सार्वजनिक सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य** पर और काम करने की ज़रूरत है, जबकि सत्ताधारी पार्टियों ने त्वरित गिरफ्तारी और पुलिस की कार्यवाही की सराहना की।

सुरक्षा विशेषज्ञ और क्रिमिनोलॉजिस्ट मानते हैं कि सार्वजनिक नेताओं के खिलाफ व्यक्तिगत धमकियाँ कई बार व्यक्तिगत मानसिक असंतुलन, अतिग्रस्त राजनीतिक माहौल या किसी स्थानीय विवाद के कारण भी हो सकती हैं। उनका कहना है कि ऐसे मामलों में न केवल लागू अपराधी धाराओं का पालन होना चाहिए, बल्कि आरोपी की **मनोवैज्ञानिक जाँच** और समाज में पुनर्स्थापना की भी व्यवस्था होनी चाहिए।

पुलिस ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा और आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएँ पूरी की जाएंगी। साथ ही हथियार के स्रोत और आरोपी के संपर्कों की भी विस्तृत जाँच की जा रही है ताकि यह निश्चित किया जा सके कि कहीं यह कोई अलग साजिश तो नहीं थी। राज्य सुरक्षा एजेंसियाँ तकनीकी और मानव स्रोतों के माध्यम से इसकी सत्यता की तह तक जाएँगी।

छत पर पिस्तौल लेकर चढ़कर किसी शासकीय हस्ती को जान से मारने की धमकी देना एक गंभीर अपराध है और राज्य पुलिस ने इसे तेजी से नियंत्रित कर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की। मामले की जाँच अभी चल रही है और जैसे ही और तथ्य सामने आएंगे, उनका खुलासा किया जाएगा। सार्वजनिक प्रतिनिधियों की सुरक्षा और संवेदनशील सार्वजनिक स्थलों पर सतर्कता बनाये रखने के लिए प्रशासन चौकस है, जबकि समाज को भी मानसिक स्वास्थ्य और हिंसा-प्रवृत्ति के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है।